ISSN 2348-3857

खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा पर सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का प्रभाव

Research Reinforcement
ISSN 2348-3857

अनिल कुमार मावर

शोधार्थी, भूगोल विभाग सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी, झुन्झुनूं (राजस्थान)

डॉ. मुकेश कुमार शर्मा

शोध निर्देशक, भूगोल विभाग सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी, झुन्झुनूं (राजस्थान)

शोध सारांश

खेतड़ी तहसील में सामाजिक गतिविधियों में हमें विकास की प्रबल सम्भावनाएं नजर आती हैं। यहाँ पर शिक्षा का प्रसार अत्यधिक होने के कारण से समाज में फैली कुरीतियों व अंधविश्वासों का पुरजोर विरोध किया जाता है। खेतड़ी तहसील में दो लाख से ज्यादा जनसंख्या निवास करती है। यहाँ पर विभिन्न समुदाय के लोग व विभिन्न वर्गो के लोग निवास करते हैं। खेतड़ी नगर में लगभग सभी के पास अपने पक्के मकान उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण से मकान कच्ची अवस्था में पाये जाते हैं। खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के परिवारों के मुखिया अलग-अलग कार्यो में संलग्न हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार कृषि कार्यो में संलग्न हैं। कई परिवार सरकारी नौकरी, निजी संस्थाओं व मजदूरी के कार्यो में लगे हुए हैं। नगरीय क्षेत्र में भी कृषि कार्यो को छोड़कर लगभग सभी प्रकार के कार्य (नौकरी, मजदूरी, व्यापार) लोग करते हैं। खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा का स्वरूप हमें काफी मिला-जुला सा प्रतीत होता है। यहाँ पर अधिकतर बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनेक शिक्षण संस्थाओं में अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में बाल शिक्षा का स्वरूप अलग-अलग दिखाई देता है। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक है वे अपने बच्चों को शिक्षा प्राप्त करवा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कई परिवार ऐसे हैं जिनके बच्चे पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर दूसरे कार्य में लग गये हैं। ये बच्चे ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में देखने को मिल जाते हैं। इसी प्रकार क्षेत्रफल के संदर्भ में स्कूलों का वितरण देखने पर ज्ञात होता है कि प्राथमिक विद्यालयों को छोड़कर शेष विद्यालयों का वितरण नगर की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर दिखाई पड़ता है। अत: तहसील में शैक्षणिक सुविधाओं का वितरण अपेक्षाकृत समरूपी दिखाई पड़ता है।

परिचय

खेतड़ी तहसील विकसित अवस्था में होने के कारण से यहाँ पर सामाजिक ढ़ांचा काफी मजबूत पाया जाता है। खेतड़ी तहसील में सामाजिक गतिविधियों में हमें विकास की प्रबल सम्भावनाएं नजर आती हैं। यहाँ पर शिक्षा का प्रसार अत्यधिक होने के कारण से समाज में फैली कुरीतियों व अंधविश्वासों का पुरजोर विरोध किया जाता है। खेतड़ी तहसील में दो लाख से ज्यादा जनसंख्या निवास करती है। यहाँ पर विभिन्न समुदाय के लोग व विभिन्न वर्गो के लोग निवास करते हैं। यहाँ सामान्य वर्ग, अनुसूचित जाति व जनजाति, व अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग निवास करते हैं। तहसील में हिन्दू धर्म को मानने वाले लोगों की जनसंख्या अधिक है। इसके अतिरिक्त यहाँ पर मुस्लिम समुदाय भी पाया जाता है। नगरीय क्षेत्र में हिन्दू धर्म के अलावा मुस्लिम धर्म व सिख धर्म को मानने वाले लोग व सिन्धी समुदाय के लोग भी निवास करते हैं। खेतड़ी नगर में लगभग सभी के पास अपने पक्के मकान उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति ठीक नहीं होने के कारण से मकान कच्ची अवस्था में पाये जाते हैं।

अध्ययन क्षेत्र

खेतड़ी का प्रशासनिक ढांचा भी काफी मजबूत है। खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र होने के कारण इसका प्रशासनिक महत्व काफी बढ़ जाता है। खेतड़ी झुन्झुनूं से 70 कि.मी. की दूरी पर है व संभागीय मुख्यालय 170 कि.मी. दूरी पर है। खेतड़ी भारत की राजधानी दिल्ली से 350 कि.मी. की दूरी पर है। प्रदेश की राजधानी जयपुर से 170 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। सागर तल से 484 मी. ऊँचाई पर स्थित खेतड़ी नगर $27^{0}98'$ उत्तरी अक्षांश एवं $75^{0}98'$ पूर्वी देशांतर पर है।

ISSN 2348-3857

खेतड़ी तहसील में ग्रामीण व नगरीय परिवारों में किये गये सर्वे के अनुसार सामाजिक-आर्थिक स्वरूप का वर्णन निम्नलिखित प्रकार से है -

व्यावसायिक प्रारूप

खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के परिवारों के मुखिया अलग-अलग कार्यों में संलग्न हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार कृषि कार्यो में संलग्न है। कई परिवार सरकारी नौकरी, निजी संस्थाओं व मजदूरी के कार्यो में लगे हुए हैं। नगरीय क्षेत्र में भी कृषि कार्यों को छोड़कर लगभग सभी प्रकार के कार्य (नौकरी, मजदूरी, व्यापार) लोग करते हैं। यहाँ पर मजदूरी, कृषि कार्य, व्यापार, नौकरी आदि कार्य लोग करते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में अनुसूचित जाति के लोग कृषि व नौकरी तथा नगरों में मजदूरी करते हैं। महिलाओं की भी यहाँ पर भागीदारी देखी गई है।

सारणी 1.1 : खेतड़ी तहसील में परिवार मुखिया का व्यावसायिक प्रारूप

क्र.स.	व्यवसाय	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	मजदूरी	04 (8.51%)	12 (36.36%)	05 (4.95%)	26 (21.82%)	47 (15.67%)
2.	कृषि	15 (31.9%)	0 (0.0%)	54 (53.4%)	0 (0.0%)	69 (23.0%)
3.	व्यापार	04 (8.51%)	04 (12.12%)	18 (17.82%)	26 (22.85%)	52 (17.33%)
4.	नौकरी	15 (31.9%)	06 (18.18%)	23 (22.77%)	45 (37.00%)	89 (29.67)
5.	व्यवसाय नहीं	08 (17.0%)	07 (21.21%)	01 (0.99%)	17 (14.29%)	33 (11.00%)
6.	अन्य	01 (2.13%)	04 (12.12%)	0 (0.0%)	05 (4.26%)	8 (2.67%)
7.	योग	47	33	101	119	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.2 : खेतड़ी तहसील के प्रौढ़ पुरुषों एवं महिलाओं का व्यावसायिक वर्गीकरण

क्र. स.	व्यवसाय	एस.सी.				अन्य जातियां				योग
		ग्रामीण		शहरी		ग्रामीण		शहरी		
		पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
1.	कृषि	19 (29%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	71 (33.65%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	90 (17.61%)
2.	व्यापार	5 (7.0%)	1 (100%)	6 (15.0%)	2 (50.0%)	29 (13.74%)	0 (0.0%)	36 (19.89%)	3 (37.5%)	82 (16.05%)
3.	नौकरी	22 (33.0%)	0 (0.0%)	13 (31.5%)	2 (50.0%)	68 (32.23%)	1 (100%)	82 (45.3%)	1 (12.5%)	189 (36.99%)
4.	मजदूरी	19 (29.0%)	0 (0.0%)	15 (37.5%)	0 (0.0%)	42 (19.91%)	0 (0.0%)	59 (32.6%)	1 (12.5%)	136 (26.61%)
5.	अन्य	0 (0.0%)	0 (0.0%)	6 (15.0%)	0 (0.0%)	1 (0.47%)	0 (0.0%)	4 (2.21%)	3 (37.5%)	11 (2.15%)
	कुल	65	1	40	4	211	1	181	8	511

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.2 से हमें यहाँ के व्यवसायों में नगरीय व ग्रामीण पुरुषों व महिलाओं का तुलनात्मक प्रारूप देखने को मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि व नौकरी कार्य में लोग सर्वाधिक लगे हुए हैं। लेकिन नगरीय क्षेत्र में मजदूरी व नौकरी ही मुख्य व्यवसाय है।

प्रतिदर्श परिवारों की शैक्षणिक दशा

खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय परिवारों में कई ऐसे परिवार शामिल हैं जो शिक्षा के प्रति अपनी मौजूदगी व्यक्त कराते हैं। यहाँ पर कई ऐसे परिवार हैं जो प्राथमिक से लेकर उच्चतम शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। यहाँ के ग्रामीण व नगरीय परिवारों में शोध करके हमें यह पता चलता है कि परिवार के मुखिया ने कितनी शिक्षा प्राप्त कर रखी है। इसका विवरण निम्न प्रकार से है -

सारणी 1.3 : खेतड़ी तहसील में परिवार के मुखिया के अनुसार शिक्षा के स्तर का वितरण

क्र. सं.	शिक्षा का स्तर	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	प्राथमिक	21 (43.75%)	6 (18.18%)	59 (57.84%)	25 (21.37%)	111 (38.0%)
2.	मिडिल	9 (18.75%)	8 (24.24%)	12 (11.76%)	23 (19.66%)	52 (17.33%)
3.	माध्यमिक	5 (10.42%)	07 (21.21%)	10 (9.8%)	18 (15.38%)	40 (13.33%)
4.	उच्च माध्यमिक	4 (8.33%)	4 (12.12%)	6 (5.88%)	20 (17.09%)	34 (11.33%)
5.	उच्च शिक्षा	08 (16.67%)	3 (9.09%)	11 (10.78%)	25 (21.37%)	47 (15.67%)
6.	अनपढ़	01 (2.08%)	5 (15.15%)	4 (3.92%)	6 (5.13%)	16 (5.33%)
7.	योग	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.3 व आरेख 1.1 से खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय परिवारों के मुखिया के अनुसार शिक्षा स्तर की जानकारी प्राप्त होती है। इससे यह पता चलता है कि गांवों की बजाय शहर में पढ़े-लिखे लोग ज्यादा है जो कि उच्च शिक्षा तक भी मिले हैं। ग्रामीण एस.सी. अन्य जातियों की अपेक्षा बुरी दशा में नहीं है। जबकि नगर में अन्य जातियों की स्थिति एस.सी. से बेहतर है।

आवासीय स्थिति

खेतड़ी तहसील में ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रो में लोगों का रहन-सहन काफी स्तर तक ऊँचा उठा हुआ है। मैदानी भाग में उन्होंने अपने स्वयं के पक्के मकान स्थापित कर रखे हैं। लोगों के पास अपने मकानों में अच्छे निर्माण व घरों में कक्षों की संख्या भी अच्छी स्थिति में है। शोध किये गये क्षेत्रों के अनुसार निम्नलिखित विवरण इस प्रकार से है -

सारणी 1.4 : खेतड़ी तहसील में घर के कुल क्षेत्र के अनुसार परिवारों का वर्गीकरण

क्र. स.	घर का क्षेत्रफल (वर्गगज में)	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	100-200	40 (83.33%)	33 (96.97%)	73 (71.57%)	113 (96.58%)	258 (86.0%)
2.	201-300	8 (16.67%)	1 (3.03%)	29 (28.43%)	4 (3.42%)	42 (14.0%)
	योग	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.4 से हमें यहाँ के घरों के कुल क्षेत्रफल का पता चलता है। पहाड़ी भाग होने के बावजूद भी यहाँ पर अच्छी मात्रा में लोगों के पास जमीन उपलब्ध है। अन्य जातियों की तुलना में एस.सी. तथा ग्रामीण की तुलना में नगरीय परिवारों के घरों का कुल क्षेत्र कम है। घर के निर्मित क्षेत्र के अनुसार अन्य जातियों के ग्रामीण व एस.सी. के नगरीय परिवार बेहतर दशा में है। (सारणी 1.5)।

ISSN 2348-3857

सारणी 1.5 : घर के निर्मित क्षेत्र के अनुसार खेतड़ी के परिवारों का वितरण

क्र. सं.	निर्मित क्षेत्र (वर्गगज में)	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	100-200	47 (97.92%)	32 (96.97%)	94 (92.16%)	115 (98.29%)	288 (96.0%)
2.	201-300	1 (2.08%)	1 (3.03%)	8 (7.84%)	2 (1.71%)	12 (4.0%)
	योग	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.6 से ज्ञात होता है कि नगरीय-ग्रामीण एस.सी. समुदाय में कक्ष संख्या को लेकर अधिक अंतर नहीं हैं, किन्तु अन्य जातियों के नगरीय परिवारों की दशा ग्रामीण परिवारों से काफी बेहतर है।

सारणी 1.6 : खेतड़ी तहसील में घर में कक्ष संख्या का वितरण

क्र. सं.	कक्षों की संख्या	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	3-4	33 (68.75%)	22 (66.67%)	74 (72.55%)	61 (52.14%)	190 (63.33%)
2.	5-6	15 (31.25%)	11 (33.33%)	28 (27.45%)	56 (47.86%)	110 (36.67%)
7.	योग	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.7 : आवास व्यवस्था, वर्ष 1991

तहसील	आवासित गृह संख्या	आवासीय परिवार	आवासीय जनसंख्या	औसत परिवार आकार	प्रति आवासित गृहों की संख्या
खेतड़ी	अप्राप्त	30940	209522	6.77	101

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

आय का प्रारूप

राजस्थान प्रदेश का झुन्झुनूं जिला वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आर्थिक दृष्टि से उन्नत जिला है। झुन्झुनूं जिले के अन्दर स्थित खेतड़ी तहसील काफी पुरानी व ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्व रखने वाली है। यहाँ पर आर्थिक क्रियाओं को पूरा करने के लिये लोग तरह-तरह के व्यवसाय में लगे हुए हैं। खेतड़ी तहसील में ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में लोग अपने-अपने कार्यो के अनुसार कमाई करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में घर की अधिकांश आय का जरिया कृषि व नौकरी से आता है। नगरीय क्षेत्र में अधिकांश लोग शिक्षित होने के कारण से यहाँ के लोग सरकारी सेवाओं व निजी कम्पनियों से व अपने व्यापार से आय कमाते हैं।

खेतड़ी में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र की आय के अनुसार परिवारों का वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार है -

सारणी 1.8 : खेतड़ी पारिवारिक आय का विवरण

क्र. सं.	परिवार की वार्षिक आय (रु.)	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	10000-5000	21 (43.75%)	16 (48.48%)	47 (46.08%)	19 (16.24%)	103 (34.33%)

क्र. सं.	परिवार की वार्षिक आय (रु.)	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
2.	500000-100000	17 (35.42%)	9 (27.27%)	28 (27.45%)	48 (41.03%)	102 (34.0%)
3.	100000-150000	6 (12.5%)	3 (9.09%)	18 (17.65%)	21 (17.95%)	48 (16.0%)
4	150000-200000	4 (8.33%)	5 (15.15%)	9 (8.82%)	29 (24.79%)	47 (15.67%)
	योग	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

खेतडी तहसील में आर्थिक ढ़ांचा काफी मजबूत रूप लिये हुए है। यहाँ पर सभी क्षेत्रों में अच्छी स्थिति में जमीन मौजूद है जिस कारण से लोगों के पास अच्छी आय के साधन भी मौजूद हैं। यहाँ पर ज्यादातर लोगों की आय 10,000 रु. से लेकर 1 लाख रु. वार्षिक तक है। यहाँ पर शोध करके हमने देखा कि ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में लोगों की आय का स्तर अलग-अलग रूप में पाया गया है। एस.सी. की अपेक्षा अन्य जातियाँ नगरीय परिवारों की तुलना में ज्यादा बेहतर स्थिति में हैं (सारणी 1.8 व मानचित्र 1.1)।

खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा का स्वरूप - एक परिचय

झुंझुनू जिला शिक्षा की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। झुंझुनूं जिले में कई निजी विश्वविद्यालय, सरकारी व निजी महाविद्यालयों व अन्य विद्यालयों व प्राईवेट संस्थाओं की स्थापना से यहाँ के विद्यार्थियों में शिक्षा की जागृति देखने को मिलती है। ऐसा ही रूप हमें खेतड़ी तहसील में देखने को मिलता है। यहाँ पर कई तरह के शिक्षण संस्थान संचालित है। ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाएं मौजूद है। खेतड़ी के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षण संस्थान कम होने वे नगरीय क्षेत्रों में ज्यादा होने से बच्चे यहाँ पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना होने से वहाँ के कई विद्यार्थी अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा का स्वरूप हमें काफी मिला-जुला सा प्रतीत होता है। यहाँ पर अधिकतर बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनेक शिक्षण संस्थाओं में अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में बाल शिक्षा का स्वरूप अलग-अलग दिखाई देता है। जिन परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक है वे अपने बच्चों को शिक्षा प्राप्त करवा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कई परिवार ऐसे हैं जिनके बच्चे पढ़ाई को बीच में ही छोड़कर दूसरे कार्य में लग गये हैं। ये बच्चे ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में देखने को मिल जाते हैं। बाल शिक्षा के लिए सरकार ने कई तरह की योजनाएं चला रखी हैं जिससे अब स्कूलों में बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। खेतड़ी तहसील में कई सरकारी स्कूलों की हालत खराब है। यहाँ पर स्कूलों में आशा के अनुरूप बच्चों की उपस्थिति नहीं है लेकिन प्राइवेट स्कूलों में अच्छी-खासी अवस्था में बच्चों की उपस्थिति देखने को मिलती है। यहाँ पर कई तरह की निजी शिक्षण संस्थाओं में आस-पास के क्षेत्र के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा का स्वरूप हमें मिलाजुला सा मालूम होता है। यहाँ पर शोध करके हमने देखा कि कई परिवारों के बच्चे अपनी शिक्षा व पढ़ाई को बीच में ही छोड़ देते हैं व कमाई के साधनों में लग जाते हैं। ये बच्चे उन परिवारों के होते हैं जिनकी पारिवारिक स्थिति ठीक नहीं है। खेतड़ी तहसील में बालिका शिक्षा का भी अच्छा माहौल है। पहले लड़कियों को स्कूल नहीं भेजा जाता था लेकिन वर्तमान में शिक्षा की महत्ता को देखते हुए लड़कियों को भी स्कूलों में भेजने का कार्य उनके माता-पिता कर रहे हैं। अत: खेतड़ी तहसील में बाल शिक्षा का स्वरूप काफी अच्छी स्थिति में कहा जा सकता है।

खेतड़ी तहसील में शोध किये गये क्षेत्र के अनुसार ग्रामीण व नगरीय परिवारों में शिक्षा की स्थिति निम्नलिखित है-

1. नामांकन की स्थिति (5 से 17 वर्ष)

खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय परिवारों में 5-17 वर्ष के कई बच्चे अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में हमें बच्चे स्कूल में जाने वाले मिले हैं। जिनका विवरण निम्नलिखित प्रकार से है -

ISSN 2348-3857

सारणी 1.9 : खेतड़ी के परिवारों के 5 से 17 वर्ष के बच्चों का स्कूल में नामांकन

क्र. स.	नामांकन की स्थिति	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	नामांकन है	71 (92.2%)	58 (85.29%)	150 (90.36%)	171 (86.36%)	450 (88.41%)
2.	नहीं है	6 (7.79%)	10 (14.71%)	16 (9.64%)	27 (13.64%)	59 (11.59%)
	योग	77	68	166	198	509

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.9 से यह स्पष्ट हो जाता है कि यहाँ पर सभी वर्गों व समुदाय के बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहाँ पर ग्रामीण क्षेत्र में एस.सी. के परिवारों में 92 प्रतिशत तक बच्चों का नामांकन है जबकि 7 प्रतिशत बच्चे ही नामांकन की स्थिति में नहीं हैं। शोध किये गये क्षेत्र में नगरीय क्षेत्र में एस.सी. के बच्चों का 85 प्रतिशत तक ही नामांकित है जबकि 14 प्रतिशत बच्चे नामांकन की स्थिति में नहीं हैं। ऐसा ही प्रारूप अन्य समुदाय के बच्चों में पाया गया।

2. स्कूल का प्रकार

खेतड़ी तहसील में अनेक शिक्षण संस्थाएं खुल जाने से यहाँ के बच्चे इन स्कूलों में अपनी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन स्कूलों में सरकारी स्कूल, प्राइवेट संस्थाएं शामिल हैं। खेतड़ी तहसील के ग्रामीण नगरीय परिवारों में अनेक बच्चे इन शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार से है -

सारणी 1.10 : खेतड़ी तहसील में स्कूल के प्रकार के अनुसार परिवारों का वर्गीकरण

क्र. स.	स्कूल का प्रकार	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	निजी	11 (23.4%)	18 (52.94%)	23 (26.14%)	54 (54.55%)	106 (39.55%)
2.	सरकारी	36 (76.6%)	16 (47.06%)	65 (73.86%)	45 (45.45%)	162 (60.45%)
	योग	47	34	88	99	268

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

सारणी 1.10 से हमें स्पष्ट होता है कि खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय परिवारों में स्कूल में जाने वाले बच्चे कौन-कौनसी स्कूलों में अध्ययनरत हैं। यहाँ पर ग्रामीण परिवारों में एस.सी. के बच्चे निजी स्कूलों में 23 प्रतिशत तक व सरकारी स्कूलों में 76 प्रतिशत तक उपस्थित हैं। नगरीय क्षेत्र के एस.सी. के निजी स्कूलों में बच्चे अधिक अर्थात् 52 प्रतिशत तक व सरकारी स्कूल में 47 प्रतिशत तक अध्ययनरत हैं। ग्रामीण क्षेत्र में भी अन्य समुदाय के बच्चे निजी स्कूल में 26 प्रतिशत तक व सरकारी में 73 प्रतिशत तक अध्ययनरत हैं। नगरीय क्षेत्र यह में निजी स्कूल में 54 प्रतिशत तक व सरकारी स्कूल में 45 प्रतिशत तक है। दो-तिहाई परिवारों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाते हैं, परन्तु गांवों में यह अनुपात तीन-चौथाई है।

3. स्कूल की दूरी

ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में स्कूल पास तो कहीं दूर होने के कारण से बच्चों को काफी लम्बा सफर तय करना पड़ता है। कई बच्चे गांवों से नगर में पढ़ने को आते हैं।

उनके लिए स्कूल बस की सुविधा प्रदान कर रखी है। घर से दूरी होने के बावजूद भी यहाँ पर बच्चों में शिक्षा के प्रति माहौल अच्छा है।

सारणी 1.11 खेतड़ी में घर से स्कूल की दूरी

क्र. स.	घर से दूरी	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	100-500 मी.	16 (37.21%)	29 (96.67%)	45 (49.45%)	76 (84.44%)	166 (65.35%)
2.	0.5-1.5 कि.मी.	24 (55.81%)	1 (3.33%)	32 (35.16%)	08 (8.89%)	65 (25.59%)
3.	1.5-3.0 कि.मी.	3 (6.98%)	0 (0.0%)	14 (15.38%)	06 (6.67%)	23 (9.06%)
4.	3 कि.मी. से ज्यादा	0 (0.0%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)	0 (0.0%)
	योग	43	30	91	90	254

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

इस तथ्य से यह पता चलता है कि यहाँ पर स्कूलों की घर से दूरी कितनी पड़ती है। एस.सी. ग्रामीण क्षेत्र की बात करें तो यहाँ पर 100 कि.मी. से 500 मी. के बीच स्कूल 37 प्रतिशत परिवारों को उपलब्ध हैं। इसके अलावा 0.5 से 1.5 किमी. तक 55 प्रतिशत परिवारों के लिये स्कूल दूर है। नगरीय क्षेत्र में 100 मी. से 500 मी. तक 96.67 प्रतिशत परिवारों को स्कूल उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण व नगरीय क्षेत्र में अन्य समुदाय के परिवारों को भी स्कूल उपलब्धता का तकरीबन यहीं प्रारूप उपलब्ध है (सारणी 1.11)

4. फीस का स्तर

खेतडी तहसील के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा के लिए कई शिक्षण संस्थान यहाँ पर स्थापित हैं। इन स्थापित शिक्षण संस्थानों में अलग-अलग प्रकार से फीस ली जाती है। कही पर मासिक रूप में तो कहीं पर वार्षिक रूप में। सरकारी व निजी स्कूलों में फीस का स्तर भी अलग-अलग पाया गया है। सरकारी स्कूलों में फीस का स्तर काफी कम है। निजी संस्थानों में फीस की मात्रा कहीं पर ज्यादा है तो कहीं पर कम। यह फीस बच्चे की कक्षा के अनुसार ली जाती है। ग्रामीण परिवार नगरीय परिवारों से प्रति विद्यार्थी फीस पर अधिक खर्च कर रहे हैं।

सारणी 1.12 : खेतड़ी में फीस की प्रति विद्यार्थी राशि की मात्रा

क्र. स.	मासिक फीस का स्तर (रु. में)	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	100	8 (16.67%)	13 (34.21%)	12 (11.43%)	35 (36.08%)	68 (23.61%)
2.	200	22 (45.83%)	21 (55.26%)	41 (39.05%)	27 (27.05%)	111 (38.54%)
3.	300	3 (6.25%)	2 (5.26%)	3 (2.86%)	13 (13.4%)	21 (7.29%)
4.	400	2 (4.17%)	1 (2.63%)	4 (3.81%)	11 (11.34%)	18 (6.25%)
5.	500	3 (6.25%)	1 (2.63%)	30 (28.57%)	4 (4.12%)	38 (13.19%)
6.	600	0 (0.0%)	0 (0.0%)	10 (9.52%)	3 (4.09%)	13 (4.51%)
7.	700	10 (20.83%)	0 (0.0%)	5 (4.76%)	4 (4.12%)	19 (6.6%)
	योग	48	38	105	97	288

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

ISSN 2348-3857

5. शैक्षणिक प्रसार की योजनाएं

खेतड़ी तहसील में शिक्षा के प्रति लोगों का रूझान काफी अच्छा देखने को मिला है। यहाँ पर शिक्षण संस्थाओं में सरकारी स्कूलों में कई प्रकार की सरकारी शैक्षणिक योजनाएं चलाई जा रही हैं। खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों में भी कई प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। जिनमें मिड-डे मील के अन्तर्गत बच्चों को प्रत्येक दिन पौष्टिक आहार खिलाया जाता है। इसके अलावा नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की योजनाएं भी संचालित हैं। खेतड़ी तहसील में अध्ययन करके हमने देखा कि कई परिवारों के बच्चे सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत हैं जिनको इस योजना का लाभ मिल रहा है। यहाँ पर हम ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों का नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की सुविधा का विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

सारणी 1.13 : खेतड़ी में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की सुविधा उठाने वाले परिवार

क्र. स.	नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक प्राप्त की	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	हाँ	32 (72.73%)	13 (39.39%)	50 (50.51%)	28 (33.75%)	123 (47.49%)
2.	नहीं	12 (27.27%)	20 (60.61%)	49 (49.49%)	55 (66.27%)	136 (52.51%)
	योग	44	33	99	83	259

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

(1) मिड-डे मील : खेतड़ी तहसील के ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में संचालित यह योजना बच्चों को प्रतिदिन पौष्टिक आहार खिलाने की है। यह योजना राजस्थान के सभी सरकारी स्कूलों में संचालित है। इस योजना में बच्चों को 200 ग्राम तक पौष्टिक आहार देने की योजना है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

(2) नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण : मिड-डे मील की तरह ही नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की योजना सभी सरकारी विद्यालयों में संचालित है। इस योजना में बच्चों को पुस्तकों का वितरण नि:शुल्क किया जाता है। यह योजना आठवीं तक सभी स्कूलों में 9 से 12 तक की लड़कियों को दी जाती है। लेकिन अब यह योजना सभी बच्चों पर लागू कर दी गई है। इससे बच्चों को बाजार से किताबें नहीं खरीदनी पड़ती है। सारणी 1.13 से ज्ञात होता है कि यह सुविधा ग्रामीण तथा एस.सी. परिवारों के लिए लाभप्रद है।

6. शैक्षणिक गुणवत्ता

खेतड़ी तहसील में कई ऐसे सरकारी स्कूल हैं जिनमें कहीं पर शिक्षकों की कमी है तो कहीं पर भवन पर्याप्त नहीं है, तो कहीं पर स्कूल पर्याप्त नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे हालात ज्यादा देखे जाते हैं। नगरीय क्षेत्रों में संचालित सरकारी स्कूलों में पर्याप्त मात्रा में शिक्षक मौजूद हैं। इसी कारण से सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या भी कम पाई जाती है। इसके अतिरिक्त प्राईवेट स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा व शिक्षक भी ज्यादा पाये जाते हैं। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए लोगों ने कई सुझाव हमें इस अध्ययन व सर्वे के माध्यम से दिए हैं, जो निम्नलिखित प्रकार से है -

सारणी 1.14 : खेतड़ी के परिवारों का शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की शर्तो के अनुसार वर्गीकरण

क्र. स.	सुधार की शर्तें	एस.सी.		अन्य जातियां		योग
		ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	
1.	अधिक स्कूल हो	48	33	102	117	300
2.	अंग्रेजी शिक्षक हो	48	33	102	117	300
3.	अधिक शिक्षक हो	48	33	102	117	300

स्रोत : क्षेत्र अध्ययन, मई 2010

उपर्युक्त आंकड़ों से हमें यह पता चलता है कि ग्रामीण व नगरीय दोनों क्षेत्रों में लोगों की मांग है कि अधिक से अधिक स्कूल हो, उन स्कूलों में अन्य विषयों के शिक्षकों के अलावा अंग्रेजी में शिक्षक हों, व अधिक से अधिक शिक्षक हों तभी सरकारी स्कूलों का ढ़ांचा मजबूत हो सकेगा।

स्कूलों की संख्या

खेतड़ी तहसील में कई सरकारी व निजी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इनमें सरकारी स्कूलों की संख्या प्राइवेट स्कूलों की समान ही प्रतीत होती है। ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में स्कूलों की संख्या अलग-अलग रूपों में है।

सारणी 1.15 : खेतड़ी तहसील में राजकीय स्कूलों का प्रकार व संख्या

क्र. स.	स्कूल का प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1.	प्राइमरी स्कूल	114	34.34
2.	शिक्षाकर्मी विद्यालय	6	1.81
3.	मिडिल स्कूल	152	45.78
4.	मिडिल संस्कृत विद्यालय	5	1.51
5.	माध्यमिक विद्यालय	33	9.94
6.	माध्यमिक विद्यालय संस्कृत	2	0.6
7.	उच्च माध्यमिक विद्यालय	19	5.72
8.	उच्च माध्यमिक विद्यालय संस्कृत	1	0.3
	कुल	332	

स्रोत : बी.ई.ई.ओ. कार्यालय, खेतड़ी से प्राप्त जानकारी

अध्ययनरत छात्र

खेतड़ी तहसील में सरकारी व निजी दोनों प्रकार के स्कूलों में छात्र/छात्राएं अध्ययनरत हैं। यहाँ पर ग्रामीण क्षेत्रों की बजाय नगरीय क्षेत्रों में बच्चे अधिक अध्ययनरत हैं।

सारणी 1.16 : खेतड़ी तहसील में शिक्षण संस्थाओं में छात्र संख्या, 2004-05

क्र.	पंचायत	माध्यमिक व उच्च माध्यमिक		उच्च प्राथमिक विद्यालय		प्राथमिक विद्यालय		कुल	
स.	समिति	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1.	खेतड़ी	14856 (44.45%)	8688 (32.11%)	11874 (35.53%)	11105 (41.045)	6689 (22.02%)	7265 (26.85%)	33419	27058

स्रोत: कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा, झुन्झुनूं

शैक्षणिक सुविधाओं का विवरण

खेतड़ी तहसील में शैक्षणिक सुविधाओं का समान वितरण होने से यहाँ पर शिक्षा का स्तर और भी ऊँचा उठ जायेगा। जिससे जो बच्चे स्कूलों में शिक्षा प्राप्त नहीं कर रहे हैं उनको इस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। शैक्षणिक सुविधाओं के वितरण में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में हम विभिन्न प्रकार से अध्ययन करते हैं उनमें जनसंख्या के आधार पर स्कूलों की संख्या (ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में), क्षेत्रफल के आधार पर स्कूलों की संख्या का वितरण ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में देखा जाता है व विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर वितरण होता है।

(1)जनसंख्या के आधार पर स्कूलों की संख्या

(i) ग्रामीण क्षेत्र

यहाँ पर खेतड़ी तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में जनसंख्या के आधार पर स्कूलों की उपलब्धता दर्शा रहे हैं। खेतड़ी तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में लगभग दो लाख से भी ज्यादा जनसंख्या निवास करती है। इसके अनुसार ही हम यहाँ पर प्रति दस हजार की जनसंख्या पर स्कूलों की संख्या बता रहे हैं -

सारणी 1.17 खेतड़ी में प्रति 10000 ग्रामीण जनसंख्या के संदर्भ में स्कूल संख्या

क्र. सं.	संकेतक	प्राप्त संख्या
1.	प्राइमरी	5.32
2.	मिडिल	1.28
3.	सैकण्डरी	1.63
4.	सीनियर सैकण्डरी	0.93

(ii) नगरीय क्षेत्र

नगरीय क्षेत्र में भी ग्रामीण क्षेत्रों के समान ही स्कूलों की संख्या का वितरण दिखाया गया है। यहाँ पर नगर में जनसंख्या

कम होने के कारण से स्कूलों की संख्या में भी परिवर्तन आ गया है। यहाँ पर भी प्रति दस हजार की जनसंख्या पर वितरण दिया गया है। सारणी 1.17 व 1.18 से ज्ञात होता है कि जनसंख्या के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में स्कूलों का बेहतर वितरण है।

सारणी 1.18 खेतड़ी नगर में प्रति 10000 जनसंख्या के संदर्भ में स्कूल संख्या

क्र.सं.	संकेतक	प्राप्त संख्या
1.	प्राइमरी	1.28
2.	मिडिल	0.51
3.	सैकण्डरी	0.0
4.	सीनियर सैकण्डरी	0.51

(2) क्षेत्रफल के आधार पर

क्षेत्रफल के आधार पर भी ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों का विवरण प्रस्तुत है-

(i) ग्रामीण क्षेत्र

ग्रामीण क्षेत्र में प्रति 100 वर्ग कि.मी. पर उपलब्ध स्कूल संख्या का विवरण निम्न प्रकार है -

सारणी 1.19 खेतड़ी के प्रति 100 वर्ग कि.मी. ग्रामीण क्षेत्र पर स्कूल संख्या

क्र.सं.	संकेतक	प्राप्त संख्या
1.	प्राइमरी	1.78
2.	मिडिल	19.3
3.	सैकण्डरी	4.45
4.	सीनियर सैकण्डरी	25.45

(ii) नगरीय क्षेत्र

ग्रामीण क्षेत्रों की भांति ही हम यहाँ के नगरीय क्षेत्रफल के आधार पर विभिन्न स्कूलों की संख्या का विवरण यहाँ पर प्रस्तुत कर रहे हैं।

सारणी 1.20 खेतड़ी के प्रति 100 वर्ग कि.मी. नगरीय क्षेत्र पर स्कूल संख्या

क्र.सं.	संकेतक	प्राप्त संख्या
1.	प्राइमरी	24.25
2.	मिडिल	9.7
3.	सैकण्डरी	-
4.	सीनियर सैकण्डरी	9.7

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र में सर्वेक्षण से हमें ज्ञात हुआ है कि परिवार के मुखिया के अनुसार प्रमुख व्यवसायों में नौकरी एवं कृषि, व्यापार एवं मजदूरी है। ग्रामीण क्षेत्र के अनुसूचित जातीय परिवारों की अपेक्षा अन्य जातियों के लोग कृषि में अधिक संलग्न हैं। नगरीय क्षेत्र में मजदूरी पर आश्रित लोगों का अनुपात काफी अधिक बढ़ जाता है। नगर के एस.सी. की अपेक्षा अन्य जातियों के लोग नौकरी एवं व्यवसाय में अधिक भागीदारी रखते हैं। अधिकांश परिवारों के मुखिया प्राथमिक स्तर तक पढ़े हुए हैं। किन्तु उच्च शिक्षित का अनुपात भी 16 प्रतिशत तक है। नगरीय क्षेत्रों के वासी सभी जातियों के लोग प्राय: ग्रामीण क्षेत्रों के वासियों से अधिक शिक्षित हैं। नगरों की अपेक्षा ग्रामीण परिवारों के घरों का आकार अधिक विशाल है। अधिकांश परिवारों के पास 3 से 4 कक्ष वाले घर है। अध्ययन क्षेत्र के एक-तिहाई परिवारों की वार्षिक आय 50,000 रुपये तक तथा अन्य एक-तिहाई परिवारों की वार्षिक आय 50,000 से 1,00,000 रु. तक है। नगरीय क्षेत्रों में तथा विशेषकर अन्य जातियों के परिवारों में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा अधिक आय का प्रारूप पाया जाता है। अध्ययन क्षेत्र के अधिकांश बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं। तथा इसमें ग्रामीण क्षेत्र बेहतर दशा में दिखाई पड़ता है। अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूल में जा रहे हैं। घर से दो-तिहाई स्कूलों की दूरी 100 से 500 मी. तक के मध्य है। नगरों में इसकी बेहतर स्थिति पाई जाती है। अधिकांश परिवार प्रति माह प्रति विद्यार्थी 200 रुपये तक की फीस वहन करते हैं।

अध्ययन क्षेत्र के 46 प्रतिशत स्कूल मिडिल स्तर तक हैं। शैक्षणिक सुविधाओं के वितरण को देखने पर ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या के संदर्भ में स्कूलों की उपलब्धता नगरीय क्षेत्रों से अधिक है। इसी प्रकार क्षेत्रफल के संदर्भ में स्कूलों का वितरण देखने पर ज्ञात होता है कि प्राथमिक विद्यालयों को छोड़कर शेष विद्यालयों का वितरण नगर की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर दिखाई पड़ता है। अत: तहसील में शैक्षणिक सुविधाओं का वितरण अपेक्षाकृत समरूपी दिखाई पड़ता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. अंकर, आर एण्ड बर्ज, एस, इकोनोमिक्स ऑफ चाइल्ड लेबर इन इण्डस्ट्रिज, आइएलओ, जिनेवा, 1998
2. चांदना, आर सी, ए ज्योग्राफी ऑफ पोपुलेशन कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1994

3. चौधरी, डी पी, डायनेमिक प्रोफाइल ऑफ चाइल्ड लेबर इन इंडिया, नई दिल्ली, 1996
4. दत्ता, एस के, चाइल्ड लेबर इन इंडिया : ट्राइलिंग दा रूट आफ दा प्रोब्लमस, 2001
5. दिनेश, बीएम, इकोनोमिक एक्टीवीटीज आफ चिल्ड्रन डायमेन्सन, काजेज एण्ड कॉनक्वेनसेज, दया पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1998
6. घोष, ए, स्ट्रीट चिल्ड्रन ऑफ कोलकाता, ए सब्सटेन्सियल एनालेसिस, नेशनल लेबर इंस्टीटयूट, नोएडा, 1992
7. गवर्मेन्ट ऑफ इंडिया, चाइल्ड लेबर प्रोहिबिशन एण्ड रेगूलेशन एक्ट, 1986, मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एण्ड एमप्लोयमेन्ट, नई दिल्ली, 1986
8. खाटू, के के, वर्किंग चिल्ड्रन इन इंडिया, ऑपरेशन रिसर्च ग्रुप बडौदा, 1993
9. कुलश्रेष्ठ, सी जे, इंडियन चाइल्ड लेबर, उप्पल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली, 1994
10. मिश्रा, एस, माइग्रेशन - स्पाशियल प्रेसपेक्टिव, रावत पाब्लिकेशन, जयपुर, 1990
11. मिश्रा, एल, चाइल्ड लेबर इन इंडिया, ऑक्सफोर्ड यूनवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2000
12. सक्सेना, अनू, ह्यूमन राइटस एण्ड चाइल्ड लेबर इन इंडिया इण्डस्ट्रीज, शिप्रा, दिल्ली, 1999
13. शर्मा, बी के एण्ड विश्वामित्र, चाइल्ड लेबर एण्ड अरबन इनफोर्मल सेक्टर, दीप एण्ड दीप पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 1990
14. सिन्हा, ए, चाइल्ड लेबर एण्ड हेल्थ, सोशियल चेन्ज, वोल्यूम 48(1), जनवरी-मार्च, 1998
15. वनिता, बी, स्ट्रीट चिल्ड्रन : फेक्टस एण्ड इश्यूज, कुरुक्षेत्र, 2009